क्यों पानी में मल मल नहाये मन की मैल उतार

क्यों पानी में मल मल नहाये,
मन की मैल उतार,
मन की मैल उतार,
क्या पानी में मल मल नहावें,
मन को मैल उतार प्यारे।bd।

हाड़ माँस की देह बनी है,
झरे सदा नवद्वार पियारे,
क्या पानी में मल मल नहावें,
मन को मैल उतार प्यारे।bd।

पाप कर्म तन के नहिं छोड़े,
कैसे होय सुधार पियारे,
क्या पानी में मल मल नहावें,
मन को मैल उतार प्यारे।bd।

सत संगत तीरथ जल निर्मल,
नित उठ गोता मार पियारे,
क्या पानी में मल मल नहावें,
मन को मैल उतार प्यारे।bd।

ब्रह्मानंद भजन कर हरि का,
जो चाहे निस्तार पियारे,
क्या पानी में मल मल नहावें,
मन को मैल उतार प्यारे।bd।

क्यों पानी में मल मल नहाये,
मन की मैल उतार,
मन की मैल उतार,
क्या पानी में मल मल नहावें,
मन को मैल उतार प्यारे।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com